चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-12-23	05	5-8

• हकृवि में मनाया किसान दिवस समारो, प्रदेश के 42 किसान सम्मानित

हकृवि करता है 22 हजार 500 क्विंटल से ज्यादा उन्नत बीज उत्पन्न, सीड विलेज बनाएंगे : काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि संबंधी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। बीज की कमी न हो इसलिए कुछ गांवों को सीड विलेज के रूप में विकसित करेंगे, जहां किसान बीज उत्पन्न करेगा। उन्होंने कहा हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है।

समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल।

चूल्हा- चौका छोड़कर अपनाई बागवानी

फतेहाबाद जिले के गांव धोलू निवासी कविता एमकॉम व बीएड पास है। चूल्हा चौका छोड़कर उन्होंने करीब आठ साल पहले खेत में एक एकड़ जमीन पर नींबू का बाग लगाया। ठीक कमाई हुई तो एक एकड़ में आड़ू और आलू बुखारा भी लगा लिया। बाग में निमोटोड बीमारी आने पर बाग के बीच में ही गेंदे के फूलों की खेती करना आरंभ किया। हर साल 6 से 8 लाख रुपये कमा रही है।

प्रभुवाला के किसान कपिल भाटिया ने इंटर क्रॉपिंग से बढ़ाई आमदनी

हिसार के किसान कपिल भाटिया को किसान दिवस पर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि कपास उनके गांव में प्रमुख फसल है, सिंचाई जल ज्यादा न होने से धान की फसल यहां नहीं होती। कपास में भी बीमारियों से नुकसान हुआ तो बागवानी को अपनाया। अब 14 एकड़ में अमरुद, किन्नू और आड़ू के बाग लगाए हैं, बाग में टनल तकनीक के जरिए सर्दी में खरबूजा, तरबूज और सब्जियां भी लगाते हैं। इंटर क्रॉपिंग से इनकम भी डबल हो रही है। इसके अलावा केंचुआ खाद भी खेत में खुद तैयार करते हैं जोकि इंटर क्रॉपिंग और बागवानी में ज्यादा फायदेमंद साबित होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24-12-23	02	1-4

हिसार समेत चार जिलों में फसल उत्पादों की होगी पैकिंग, कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनेंगे

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन, 42 किसानों को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस मेले में पुस्तक का विमोचन करते कृषि मंत्री जेपी दलाल एवं अन्य। संवाद

हिसार। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मैं किसान के साथ व्यापारी भी हूं। सामान को बेचना जानता हूं। अपने किसान भाइयों के माल को भी बिकवाऊंगा। किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा।

जेपी दलाल शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग, कोल्ड स्टोरेज बनने से किसानों को फायदा होगा। उनकी फसल का सही दाम मिल सकेगा। आज 30 प्रतिशत फल-सब्जी उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाजरे के लिए मोटे अनाज का मंत्र दिया तो आज बाजरा गेहूं से ज्यादा रेट पर बिक रहा है। आगे देखना बाजरा 5 हजार रुपये प्रति क्विंटल बिकेगा। किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीज की आपूर्ति कराने के लिए 25 गांव के एक सीड़ केंद्र बनाया जाएगा। जिससे की किसानों को बीज की समस्या का सामना न करना पड़े। प्राकृतिक-जैविक खेती के लिए करें। प्राकृतिक खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। गठन से अब तक राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। यह प्रदेश के किसानों तथा एचएयू के वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम है। विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज तैयार कर किसानों को वितरित करता है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा करता है। अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें।

जल का दोहन इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक कमी की संभावना है। 50 सालों में 290 किस्में निकाल चुके हैं। बाजरे से 11 प्रोडेक्ट बनाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। जब भी इस विश्वविद्यालय की पावन भूमि पर किसानों के पैर पड़ते है हमारा विद्यालय पवित्र हो जाता है।

राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स ने संबोधित करते हुए कहा कि महिला किसानों की संख्या देखकर खुशी हो रही है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का निर्यात कर चुका है।सभ्य समाज बनाने के लिए हमें जातिवाद को खत्म करना होगा।

जिले के 4 किसानों को मिला सम्मान

हिसार के चार प्रगतिशील किसानों सुमित्रा देवी मंगाली महोब्तपुर, कपिल भाटिया उकलाना, गुरमीत लोहारी, प्रदीप कुमार चिड़ौद को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-12-23	04	1-5

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री

हकृवि में मनाया किसान दिवस

हिसार, 23 दिसम्बर (राठी): किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्कीटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्कीट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। इस मौके पर प्रगतिशील किसान कुरुक्षेत्र निवासी हरबीर सिंह को किसान रत्न अवॉर्ड प्रदान किया गया।

कृषि मंत्री दलाल ने सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जोकि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपए कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपए होता था आज 2500 रुपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, मछली पालन, बिजली व ट्यूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ौतरी की है।

कृषि मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सैंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजैंसी जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार 125 किसानों को ड्रोन की ट्रेनिंग दिलवा चुकी है और 13 लाख के इलेक्ट्रिक व्हीकल सहित ड्रोन व नैनो यूरिया भी वितरित किए गए है ताकि कोई भी किसान 100 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करवा सकता है। इस कार्य में लगी शेष पूंजी का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा।

समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते कृषि मंत्री जे.पी. दलाल। साथ में मौजूद राज्यसभा सांसद डा. वत्स, कुलपति प्रो. काम्बोज व अन्य।

कुरुक्षेत्र के हरबीर सिंह सहित अन्य प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री दलाल ने कुरुक्षेत्र के गांव डाडलू के प्रगतिशील किसान हरबीर सिंह को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित। इसके अलावा अन्य प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले किसानों में पानीपत जिला के गांव राजापुर से मुस्कान मिटान, आसन खुर्द से जय पाल, यमुनानगर जिला के गांव संघाली से ललिता देवी, प्रताप नगर से मुकेश गर्ग, हिसार के गांव मंगाली मोहब्बतपुर से सुमित्रा देवी, प्रभुवाला से कपिल भाटिया, फतेहाबाद जिला के गांव धोलू से कविता, नाढोडी से राधे श्याम, रेवाड़ी जिला के गांव झाबुआ से धोली देवी, किशनपुर से राजेश कुमार, कुरुक्षेत्र जिला के गांव खेड़ी रामनगर से सुनीता, सैक्टर-8, कुरुक्षेत्र से रणधीर सिंह श्योकंद को सम्मानित किया गया।

इसके अलावा पलवल जिला के गांव गुजरा पट्टी से सविता, औरंगाबाद से राकेश कुमार, कैथल जिला के गांव मुंदड़ी से शशि, बडी ऑल पैंटी से जोनी राणा, फरीदाबाद जिला के गांव भोपानी से पायल, छायंसा से देवी राम सैनी, पंचकूला जिला के गांव बिल्ला से मीना देवी, ठरवा से राम कुमार, अंबाला से सीमा रानी व मोहन लाल, भिवानी जिला के गांव सिप्पर से नीता देवी, सुरपुरा कलां से पवन कुमार, सोनीपत जिला के गांव बकीपुर से ललिता देवी, महमूदपुर माजरा से श्याम सिंह, जींद जिला के गांव बधाना से संतोष, मनोहरपुर से सुरेश, महेन्द्रगढ़ के गांव कोटिया से सविता, बोचडीया से तेज प्रकाश, सिरसा जिला के गांव ख्योवाली से सुनीता गोदारा, भुरटवाला से कालू राम, करनाल जिला के गांव जुंडला से सुमन, सांभी से राम कुमार, रोहतक जिला के गांव खरक जाटान से लक्ष्मी, आंवल से राम सिंह, झज्जर जिला के गांव लोहट से उर्मिला, सिलानी से सिद्धार्था मल्हान, नूंह जिला के गांव छपेड़ा से आशा व रविन्द्र, फार्मर फस्ट के अंतर्गत हिसार के चिड़ौद से प्रदीप कुमार, लाहौरी राघो से गुरमुख सिंह को सम्मानित किया गया।

शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन 6 गुणा, चावल 8 गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन 5 गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियां हरियाणा सरकार की किसान हितैषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सम्बन्धी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है।

कुलपति ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि में विविधिकरण को अपनाएं तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं, ताकि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला किया जा सके। किसानों को कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की मदद से किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं, ताकि उनकी आय बढ़ाई जा सके। कुलपति ने जल संरक्षण पर उचित उपाय पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक कमी की सम्भावना है।

शिक्षा, चिकित्सा, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अग्रणी भूमिका : डी.पी. वत्स

राज्यसभा सांसद जनरल डी.पी. वत्स ने अपने संबोधन में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जताई और कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमेशा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का निर्यात करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। उन्होंने कहा कि हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित में अपना योगदान देना चाहिए, ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सकें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने वाले किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24-12-23	04	1-6

बिना पानी दिए तीन माह तक नहीं सूखेंगे पौधे, ओस से होंगी पानी की पूर्ति

जागरण संवाददाता, हिसार : पौधों को किसान हमेशा पानी देता रहता हैं। पानी के बीना पौधे की लाइफ ज्यादा नहीं होती। प्रदेश के कुरुक्षेत्र के शाहबाद निवासी हरबीर सिंह ने ऐसी रिसर्च तैयार की पौधे पर गिरने वाली ओंस से वह जीत रह सकते है। किसान यदि उनको तीन माह तक पानी नहीं भी देंगे तो वह खत्म नहीं होंगे। इस रिसर्च को अब हौलेंड में विश्व होर्टिकल्चर सेंटर में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा हरबीर करीब 28 साल से खेती कर रहे हैं। उनकी तरफ से अनेक रिसर्च की गई और रिसर्च पेपर में वह पब्लिश हुई।

शाहबाद निवासी हरबीर सिंह ने बताया कि वह अभी चावल का छिलका, रेत और उनके पास मौजूदा जानवारों के गोबर से बनने वाली खाद का प्रयोग करते हैं। 16 एकड़ में चल रही नर्सरी के तहत लगाए गए ओपन में पौधे रात को गिरने वाली ओस से जीवित रहते है। यदि दिन में उनको पानी न भी दिया जाए तो वह खत्म नहीं होंगे। हरबीर ने बताया कि उनकी पौधों की काफी मांग है। देश में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, उत्तराखड़, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश के अलावा इंटली और नेपाल भी वह एक्पोर्ट करते हैं। साल में वह करीब 10 करोड़ पौधे आगे दे देते हैं। हरबीर ने बताया कि वह करीब 21 साल से ड्रिप इरीगेशन और माइक्रो स्प्रिंकलर का प्रयोग कर रहे हैं। इससे पानी की बचत तो होती है और फसल भी बेहतर होती हैं। अभी उनकी तरफ से गोभी, ब्रोकली व अन्य सब्जियां उगाई हैं।

किसान रत्न पुरस्कार के साथ हरबीर सिंह। • जागरण

118 लोगों दिया है रोजगार

हरबीर के पास मौजूद नर्सरी में लोगों को बेहतरीन पौधे व फसल मिलने के साथ उन्होंने 118 लोगों को रोजगार भी दिया हुआ हैं। मौजूदा समय में यह काम कर रहे हैं। हरबीर ने बताया कि यदि सीजन नहीं होता तो उनके पास करीब 40 लोग पूरे साल नौकरी पर रहते हैं। हरबीर ने एमए की हुई हैं। हर साल खुद की नई रिसर्च कर उसको आगे देना उनका मकसद होता हैं।

मंच पर उपस्थित हरियाणा के कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल, कुलपति डा. बीआर कम्बोज और साथ में अन्य। • जागरण

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. बीआर काम्बोज

वहीं, कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का सात प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है। कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर है। कुलपति ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की मदद से किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि उनकी आय बढ़ाई जा सके।

सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अग्रणी भूमिका : जनरल डीपी वत्स

राज्यसभा सदस्य जनरल डीपी वत्स ने कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमेशा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का निर्यात करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। कहा कि हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने समय के साथ-साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसान उपयोगी आधुनिक तकनीक व उन्नत किस्में विकसित करने के लिए उनकी प्रशंसा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	24-12-23	09	5-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषिमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतरराष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। कृषि मंत्री शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। समारोह में कृषि मंत्री दलाल ने कुरुक्षेत्र के किसान हरबीर सिंह को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित। इस मौके पर कृषि मंत्री ने प्रदेश भर से आए प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया।

हिसार। समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने वाले किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ वितरित किए

मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपये किसानों को वितरित किया है, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपये ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा।

सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अग्रणी भूमिका : डॉ. वत्स

राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स ने अपने संबोधन में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जताई और कहा कि महिलाओं की जिस भी क्षेत्र में हिस्सेदारी रही है वह क्षेत्र हमेशा आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का निर्यात करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। उन्होंने कहा कि हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित में अपना योगदान देना चाहिए ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सकें।

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियां हरियाणा सरकार की किसान हितैषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सम्बन्धी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर है। प्राकृतिक खेती के मॉडल को अपनाते हुए पोषण युक्त खाद्यान्न पैदा करते हुए अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच - कहूं	24-12-23	05	1-5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस का आयोजन, प्रगतिशील किसान सम्मानित

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध: कृषि मंत्री

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें : प्रो. कम्बोज

सच कहूँ/श्याम सुंदर सरदाना
हिसार।

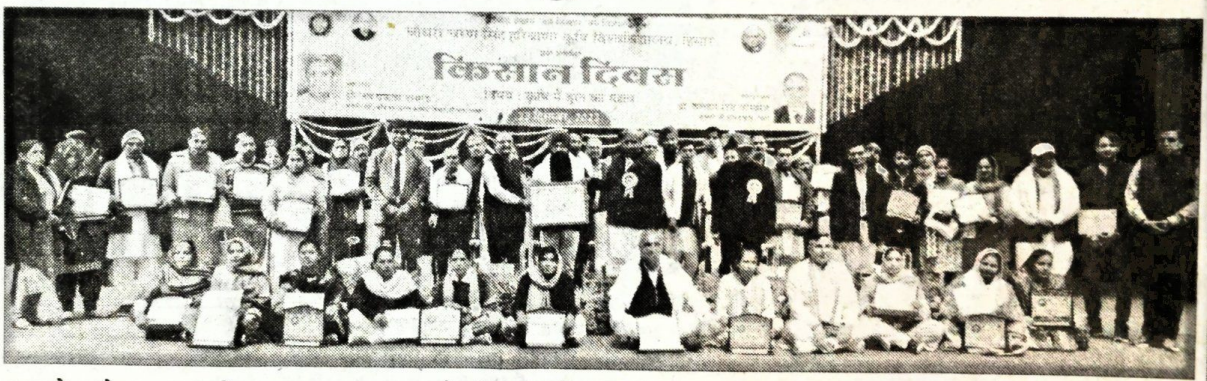

किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने की।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जो कि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपए कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपए होता था आज 2500 रुपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, बिजली व ट्यूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ोतरी की है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपए किसानों को वितरित किया है, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपए ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियां हरियाणा सरकार की किसान हितेषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सम्बन्धी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्राकृतिक खेती के मॉडल को अपनाते हुए पोषण युक्त खाद्यान्न पैदा करते हुए अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि में विविधिकरण को अपनाएं तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं ताकि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला किया जा सके। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने वाले किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24-12-23	05	7-8

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री

हिसार, 23 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जोकि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपये कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपये होता था आज 2500 रुपये प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, मछली पालन, बिजली व ट्यूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपये किसानों को वितरित किया है, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपये ही लिए थे। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कृषि उत्पादों को बेचने के लिए सरकार द्वारा गन्नौर में विश्वस्तरीय सबसे बड़ी मंडी बनाई जा रही है, जहां अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक आएंगे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सैंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को गन्नौर ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा।

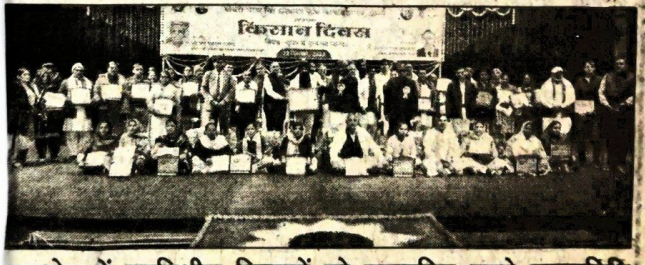

समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	24-12-23	03	5-6

कृषि मंत्री ने किसानों को किया सम्मानित, कहा-

'बयान से किसी को दुख हुआ तो दोबारा मांगता हूं माफी'

हिसार में शनिवार को समारोह में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल।-हप्र

हिसार, 23 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे कृषि मंत्री जेपी दलाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपने विवादित बयान पर कहा कि किसी भाई को दुख हुआ है तो वह फिर से माफी मांगते हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि 'मैं किसान परिवार से हूं और किसान का बेटा हूं और किसान के बारे में बुरा नहीं सोच सकता। किसान की भलाई के लिए कलम चलाता हूं। मेरे शब्दों के गलत अर्थ निकालकर कोई बुरा मानता है तो उससे बार-बार माफी मांगने के लिए तैयार हूं। किसान के बारे में मेरी सोच गलत नहीं हो सकती। किसी भाई को दुख हुआ है तो मैं फिर से माफी मांगता हूं।'

इससे पूर्व समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

किसानों को दी जा रही एआई की ट्रेनिंग

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार 125 किसानों को ड्रोन की ट्रेनिंग दिलवाई जा चुकी है और 13 लाख के इलेक्ट्रिक व्हीकल सहित ड्रोन व नैनो यूरिया भी वितरित किए गए हैं। कोई भी किसान 100 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करवा सकता है। इस कार्य में लगी शेष पूंजी का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	23.12.2023	--	--

सरकार किसानों के हित के लिए हमेशा प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री जेपी दलाल

हिसार (चिराग टाइम्स) किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ नवीनतम तकनीकों और मार्केटिंग रणनीतियों पर ध्यान देना होगा, ताकि उनके उत्पादों के बेहतर दाम मिलने के साथ अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में उनकी मांग बढ़े। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहे। वे आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अपने संबोधन में सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए चलाई जा रही कृषि योजनाओं को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कृषि का बजट जोकि पहले 800 करोड़ था वो अब बढ़ाकर 3900 करोड़ रुपये कर दिया है। बाजरे के भाव जो पहले 800 रुपये होता था आज 2500 रुपये प्रति क्विंटल दिया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने नहरों, मछली पालन, बिजली व ट्यूबवैल कनेक्शन के बजट की भी बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा पहला एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां 14 फसलों की एमएसपी पर खरीदारी होती है। सरकार ने फसल बीमा योजना के तहत 9 हजार करोड़ रुपये किसानों को वितरित किए हैं, जबकि फसल बीमा कंपनियों ने किसानों से 1973 करोड़ रुपये ही लिए थे। इसके लिए फतेहाबाद, हिसार, करनाल व कुरुक्षेत्र जिलों में उत्पादों की पैकिंग, ग्रेडिंग, सोर्टिंग और कोल्ड स्टोरेज सेंटर बनाए जाएंगे, जहां से उत्पादों को विदेश ले जाकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मंडियों में बेचा जा सकेगा। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार 125 किसानों को ड्रोन की ट्रेनिंग दिलवा चुकी है और 13 लाख के इलेक्ट्रिक व्हीकल सहित ड्रोन व नैनो यूरिया भी वितरित किए गए हैं। ताकि कोई भी किसान 100 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करवा सकता है। इस कार्य में लगी शेष पूंजी का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस स्कीम के तहत एक लाख एकड़ की मंजूरी सरकार द्वारा दे दी गई है।

प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर, शुद्ध भोजन की शुरुआत अपने परिवार से करें: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के कुल अनाज का 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ये सब उपलब्धियां हरियाणा सरकार की किसान हितैषी नीतियों और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा सिफारिश की गई कृषि सम्बन्धी उन्नत व नवीनतम तकनीकों को अपनाने व किसानों की मेहनत का परिणाम है। प्रदेश में उन्नत बीज उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय हर वर्ष विभिन्न फसलों का करीब 22,500 क्विंटल से अधिक उन्नत बीज पैदा करके राज्य के विभिन्न निगमों व किसानों को वितरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात में बस हरियाणा से ही होता है। कुलपति ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन नई पीढ़ी की धरोहर है। प्राकृतिक खेती के मॉडल को अपनाते हुए पोषण युक्त खाद्यान्न पैदा करते हुए अपने परिवार से ही शुद्ध भोजन की शुरुआत करें। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि में विविधिकरण को अपनाएं तथा उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएं ताकि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का मुकाबला किया जा सके। किसानों की कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों की मदद से किसानों को प्रेरित करें कि वे नई-नई तकनीकों को अपनाएं ताकि उनकी आय बढ़ाई जा सके। कुलपति ने जल संरक्षण पर उचित उपाय पर जोर देते हुए कहा कि जल का दोहन इसी तरह जारी रहा तो भविष्य में कृषि उत्पादन में 30 प्रतिशत तक कमी की सम्भावना है। जल संसाधनों का बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय तथा उन्नत तकनीकों को अपनाकर पानी का उचित प्रबन्ध करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बूंद-बूंद पानी का सदुपयोग करें।

शिक्षा, चिकित्सा, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं निभा रही अहम भूमिका : जनरल डीपी वत्स

राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स ने अपने संबोधन में समारोह में उपस्थित महिला किसानों की अधिक संख्या पर खुशी जताई और कहा कि महिलाओं को जिस भी क्षेत्र में जिम्मेदारी मिली है वह क्षेत्र उससे आगे रहा है। हमारा देश 70 से ज्यादा देशों में खाद्यान्न का निर्यात करता है, जो दर्शाता है कि हमारा देश कृषि के क्षेत्र में कितना अग्रणीय है। उन्होंने कहा कि हमें जाति पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र हित में अपना योगदान देना चाहिए ताकि हमारा देश नंबर-1 बन सके।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विश्वविद्यालय व कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने वाले किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-12-23	04	4-8

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगर: प्रो: बीआर काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुज़रता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौंटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24-12-23	04	5-6

चौधरी चरण सिंह कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के दृष्टिगत साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24-12-23	02	7-8

पूर्व पीएम की नीतियां बहुत कारगर : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विवि में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विवि परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है। इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। किसानों की समृद्धि के लिए उनकी नीतियां बहुत कारगर साबित हुई हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों और हौटा एवं हौंटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-12-23	02	3-4

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

हकृवि में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

हिसार, 23 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुज़रता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौंटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	25.12.23	11	5-8

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	23.12.2023	--	--

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगर : प्रो : बी.आर. काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त करना, भूमि

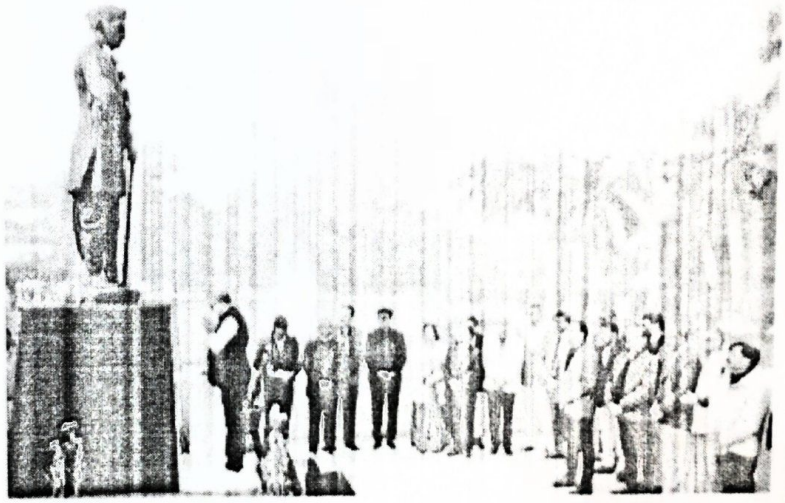

सुधार अधिनियम लागू करना, ऋण निमोचन विधेयक पारित करना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान को इस विश्वविद्यालय में विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा होटा एवं हौटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	23.12.2023	--	--

एचएयू में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती

पांच बजे न्यूज

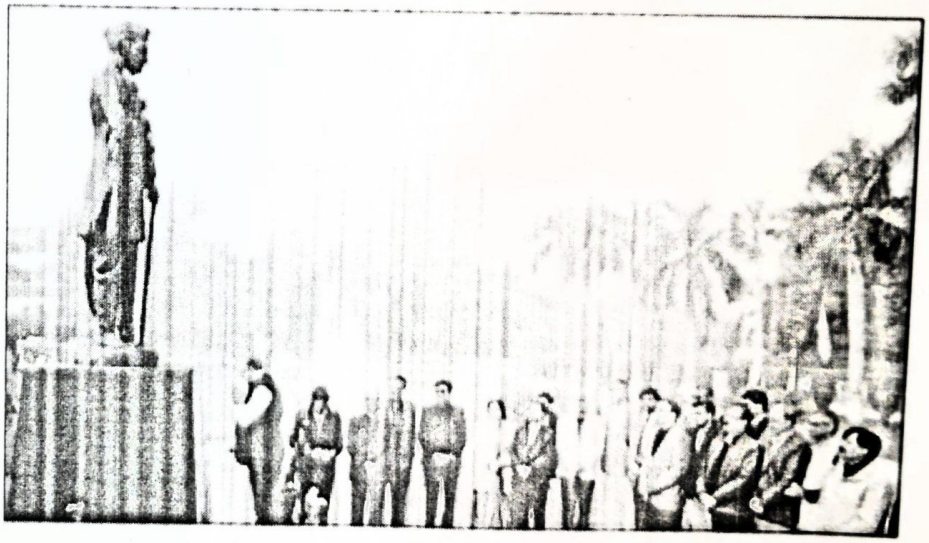

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निर्मोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के दृष्टिगत साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान को इस विश्वविद्यालय में विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा होटा एवं हौंटिया के पदाधिकारियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.12.2023	--	--

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुज़रता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निमोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरूत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

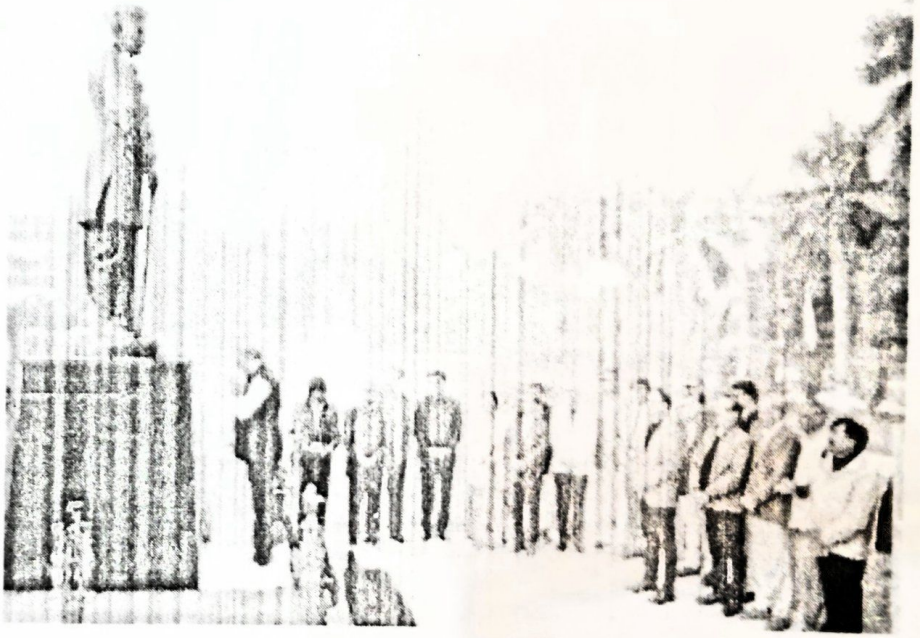

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	23.12.2023	--	--

किसानों की समृद्धि के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की नीतियां बहुत कारगर : प्रो: बी.आर. काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार = चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा चौधरी चरण सिंह किसान व कमेरा वर्ग के सच्चे हितैषी थे। स्वयं एक किसान व ग्रामीण परिवेश से होने के चलते वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। वे मानते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है इसलिए उन्होंने ताउम्र किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक पदों पर रहते हुए देश में जमींदारी प्रथा समाप्त कराना, भूमि सुधार अधिनियम लागू कराना, ऋण निर्मोचन विधेयक पारित कराना और केन्द्र में ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय स्थापित करना जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के दृष्टिगत साल 2001 से 23 दिसबंर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा हमें गर्व है कि इस विश्वविद्यालय का नाम इस महान नेता के साथ जुड़ा हुआ है। हम आज उनकी जयन्ती को किसान दिवस के रूप में मना रहे है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश व देश के प्रत्येक किसान को इस विश्वविद्यालय में विकसित कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचे। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे किसानों की समृद्धि व कल्याण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहें। यह इस महान नेता को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के अधिष्ठाताओं, निदेशकों, व अन्य अधिकारियों सहित वैज्ञानिकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों तथा हौटा एवं हौटिया के पदाधिकारियो ने भी पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।